

# हरिभूमि रोहतक भूमि

रोहतक, गुरुवार, 14 अगस्त 2025

तापमान



अधिकतम 34.0 डिग्री  
न्यूनतम 26.0 डिग्री

11 स्वतंत्रता  
दिवस: सुरक्षा  
के कड़े  
बंदोबस्त ...



12 लक्ष्य तय कर  
आगे बढ़ें,  
संस्कार और  
सामाजिक ...



## खबर संक्षेप



**हर घर तिरंगा अभियान**  
वैन 50 गांवों तक पहुंची  
रोहतक। उपायुक्त धर्मेश सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन एवं रेडक्रॉस समिति द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत शुरू किए गए जागरूकता रथ के माध्यम से जिला के 50 से अधिक गांवों अभी तक कवर किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिला रेडक्रॉस समिति द्वारा आधुनिक तकनीक पर आधारित जागरूकता वैन तैयार की गई है जो म्यूजिक सिस्टम से बनी हुई है और जिसके चारों ओर हर घर तिरंगा अभियान के लिए आम जन को जागरूक करते हुए पोस्टर बनाए गए हैं।

**कूड़ा उठाने, निस्तारण**  
कन्हेली डेयरी कॉम्प्लेक्स के विकास कार्यों को मंजूरी  
रोहतक। नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था और डेयरी संचालकों की सुविधाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। घर-घर से कूड़ा उठाने, कूड़े के निस्तारण और कन्हेली डेयरी कॉम्प्लेक्स के विकास कार्यों को इ-निविदाओं को हाई पावर्ड वक्स परचेज कमेटी की बैठक में मंजूरी दे दी गई है। यह बैठक 12 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री नाराज सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई। आयुक्त डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि कन्हेली डेयरी कॉम्प्लेक्स में लगभग 13.92 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण, पानी की लाइन बिछाने, स्ट्रीट लाइट लगाने और खुले नालों को कवर करने जैसे विकास कार्य किए जाएंगे। घर-घर से कूड़ा उठाने का कार्य 85.90 करोड़ रुपये की लागत से अगले 5 वर्षों तक संचालित किया जाएगा।

## पार्षद और पुलिस मौके पर, बहस के बाद शुरू हुई समाधान की प्रक्रिया दूषित पानी और कचरे की समस्या पर फूटा गुस्सा, सुनारियां चौक पर जाम

- करीब एक घंटे जाम से आने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा
- जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता मयंक भी पहुंचे, पेयजल समस्या के समाधान का आश्वासन दिया और स्थिति की जांच शुरू की

हरीभूमि न्यूज ॥ रोहतक  
वार्ड-21 की अमृत कॉलोनी और हरिसिंह कॉलोनी में पिछले दो माह से लगातार दूषित पेयजल की सप्लाई और कचरा न उठाए जाने से परेशान लोगों का गुस्सा बुधवार को सुबह फूट पड़ा। नाराज लोगों ने सुनारियां चौक पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। यह जाम करीब एक घंटे तक जारी रहा, जिससे वाहन चालकों और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुनारियां चौक से ही सब्जी मंडी और नई अनाज मंडी जाने का मुख्य मार्ग गुजरता है। यही कारण था कि जाम लगते ही वाहनों की लंबी कतारें दोनों ओर लग गई। स्थिति यह थी कि स्थानीय लोग, व्यापारी और राहगीर सभी जाम खुलने का इंतजार करते रहे।

**नहीं होती सुनवाई**  
जाम की सूचना मिलते ही वार्ड-21 के पार्षद बिजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। हालांकि गुस्साए लोगों ने उनसे भी बहस शुरू कर दी। लोगों का आरोप था कि जब उन्होंने कई बार समस्याओं के बारे में अवगत कराया, तब कोई समाधान नहीं हुआ, लेकिन जैसे ही जाम लगाया गया तो तुरंत मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में एसएचओ राकेश सैनी भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता मयंक भी वहां पहुंचे। उन्होंने पेयजल समस्या के समाधान का आश्वासन दिया और स्थिति की जांच शुरू की। इसी बीच नगर निगम का कूड़ा उठाने वाला वाहन भी मौके पर पहुंच गया और कचरा उठाने का कार्य शुरू हुआ।



ऑटो का रास्ता रोकती महिलाएं



पुलिस के साथ बहस करती महिलाएं

**यहां गंदे पानी की सप्लाई**  
डेयरी मोहल्ला, प्रेम नगर, हैफेड चौक, सुखपुरा, कन्हेली रोड, गांधी कैम्प, लाटोत रोड, शास्त्री नगर, वसंत विहार, सेक्टर एक, सेक्टर दो सहित अन्य कई कॉलोनीयों में कई दिनों से मिट्टी का पानी आ रहा है। शिकायतें की गई हैं लेकिन सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। लोगों को महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ रहा है। जिसकी वजह से परेशानी बढ़ गई है।

**मजबूरी में उठाया यह कदम**  
हालांकि लोगों का कहना था कि यह कदम उन्होंने मजबूरी में उठाया है। सिर के ऊपर से पानी जाने के बाद ही हम सड़क पर उतरे हैं एक प्रदर्शनकारी ने कहा। उनका आरोप था कि दूषित पानी से बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियां फैलने लगी हैं, लेकिन विभाग के अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे। कितनी बार शिकायत करें। समाधान किया ही नहीं जा रहा है, घरों में लोग बीमार होने की कगार पर आ चुके हैं। मजबूरी में ही इस तरह के कदम उठाए जाते हैं।

**एक घंटे बाद हटाया जाम**  
एक घंटे की कड़ी मशक्कत, बातचीत और पुलिस व प्रशासन की सक्रियता के बाद अखिरकार जाम हटाया गया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही स्वच्छ पानी की आपूर्ति बहाल की जाएगी और नियमित रूप से कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे फिर से आंदोलन का रास्ता अपनाने में वृत्त। प्रशासन ने लोगों से अपील की कि वे समस्याओं के समाधान के लिए संवाद का रास्ता अपनाएं, ताकि आमजन को असुविधा न हो।

## कुलदीप बने कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष और बलवान को ग्रामीण की जिम्मेदारी

## कांग्रेस की ओबीसी और अनुसूचित जाति के वोटों को साधने की तैयारी



रोहतक। कांग्रेस भवन में कुलदीप उर्फ केडी और बलवान रंगा का स्वागत करते हुए कार्यकर्ता। फोटो हरिभूमि  
11 साल से नहीं हुई थी नियुक्ति  
कांग्रेस में शहरी और ग्रामीण प्रधान पद पर कई साल से नियुक्ति नहीं हुई थी। करीब 11 साल पहले विद्यार्थक बीबी बरार कांग्रेस के शहरी प्रधान थे। जबकि जयबीर धनखड़ कांग्रेस ग्रामीण के प्रधान थे। इसके बाद से ही कई बार कमेटी के गठन का प्रयास किया गया लेकिन बात सिरे नहीं चली।  
कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत  
कुलदीप उर्फ केडी और ग्रामीण प्रधान बलवान रंगा कांग्रेस भवन में पहुंचे। जहां दिवंगत कार्यकर्ता उनके मिले और मुबारकबाद दी। इस दौरान कई कार्यकर्ता उनकी नियुक्ति से नाराज नजर नहीं आए। सभी ने यही कहा कि सही कार्यकर्ताओं को पद देकर कांग्रेस पार्टी ने सम्मान किया है। इस दौरान किसी प्रकार का विरोध भी नहीं देखने को मिला।  
कांग्रेस एससी सेल के अध्यक्ष थे रंगा  
बलवान रंगा का पूरा परिवार 1985 से कांग्रेस में सक्रिय है। बलवान रंगा बलवान रंगा गांव फिलौड में 2016 में पहली बार युव कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बने थे। इसके बाद 2013 से लेकर 2022 तक रविदास हॉस्टल आर्य नगर के प्रधान रहे। बलवान रंगा गांव फिलौड में 2016 से लेकर 2021 तक सरपंच रहे। 2015 से लेकर अब तक कांग्रेस एससी सेल के जिलाध्यक्ष पद पर रहे हैं। बलवान रंगा भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कार्यक्षेत्रों में गिनती होती है।

विजय अहलावत ॥ रोहतक

कांग्रेस ने एक दिन पहले ही प्रदेशभर के जिलों के शहरी और ग्रामीण प्रधानों की सूची जारी की है। जिसके बाद से ही कई वर्ग अपनी अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन रोहतक की बात करें तो पार्टी ने ओबीसी और अनुसूचित जाति के वोटों को साधने का पूरा प्रयास किया है। शहरी प्रधान पद पर 22 साल से सक्रिय एवं ओबीसी समाज से सम्बंधित कुलदीप उर्फ केडी की नियुक्ति की गई है जबकि ग्रामीण अध्यक्ष पद पर घिलौड़ कलां के पूर्व सरपंच एवं अनुसूचित जाति से सम्बंध रखने वाले बलवान रंगा की नियुक्ति की गई है। दोनों ही नेता पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी हैं। इसके अलावा कई बड़े चेहरों की अनदेखी भी हुई है। जिससे उनमें मायूसी छाई हुई है।

## शहर से 102 थे दावेदार

रोहतक से शहरी प्रधान के पद के लिए 102 आवेदन किए गए थे। जबकि ग्रामीण प्रधान के लिए भी सैकड़ों आवेदन किए गए थे। पिछले दिनों पार्टी ने तीन आइजर्वर को भी सर्वे के लिए भेजा था। माना जा रहा है कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर केंद्र से ही नियुक्तियां की गई हैं।

## दीपेंद्र के करीबी हैं केडी

रोहतक शहरी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बनाए गए कुलदीप केडी का परिवार भी कांग्रेस में लंबे समय से है। कुलदीप केडी खुद 22 साल से सक्रिय हैं। वह सांसद दीपेंद्र हुड्डा के करीबी हैं। कुलदीप केडी ऑटो यूनिवर्सल और सेन समाज के भी प्रधान रहे हैं। वह कांग्रेस में ओबीसी सेल के अध्यक्ष रहे। उन्हें पिछले बिहार चुनाव में औरया विधानसभा का चुनाव प्रमारी भी बनाया गया था।

# अब भविष्य को दिजिए इलेक्ट्रिक रफ्तार !

सुरक्षा, सुविधा, सेविंग्स



Chal Tu Befikar!



450+ Dealers  
Pan India

आपकी फैमिली का एक नया सदस्य  
**Tunwal E-Scooters**



SCAN QR

12 साल से आपके भरोसे की सवारी.....

**Haryana Tunwal**

520/28, Jind Hisar Road, Near Police Quarter,  
Sukhpura Chowk, Rohtak

9255551240  
7404607572

Term & Condition Applied



डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

## बढ़ती उम्र में जब हो अपच की समस्या



मेरी उम्र 62 वर्ष है। मुझे खाना ठीक से नहीं पचता। साथ ही कभी कब्ज, तो कभी लूज मोशन की समस्या होती रहती है। मेरे पेट की समस्या का स्थाई उपचार बताने का कष्ट करें।

—रामदेव, बहादुरगढ़  
आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित हो गई है। बढ़ती उम्र में कई लोगों को यह समस्या आती है। इसके लिए आपको खान-पान में खास ध्यान देना पड़ेगा। खाने में सलाद और दही जरूर शामिल करें, कोशिश करें कि अधिक तेल वाला खाना बिल्कुल ना खाएं। शाम को हल्का खाना खाएं और सोने से तीन-चार घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह बदलाव करने से राहत मिल सकती है।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। मेरे चेहरे पर झाड़ियां हैं। कई प्रोडक्ट्स यूज करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। इन झाड़ियों को कैसे ठीक किया जाए? कृपया इसका समाधान बताएं।

—पंकज, रायपुर  
जैसा आप बता रहे हैं कि आपने झाड़ियों के लिए बहुत सारे प्रोडक्ट्स यूज किए। आपने यह नहीं बताया कि यह प्रोडक्ट आपने अपनी मर्जी से इस्तेमाल किए या डॉक्टर की सलाह से? क्योंकि त्वचा में कोई भी क्रोम या लोशन बगैर डॉक्टर के सलाह के नहीं इस्तेमाल करना चाहिए। बेहतर होगा कि आप एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वही इसका ट्रीटमेंट बताएंगे, फिलहाल आप पानी का सेवन खूब करें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। बारिश के मौसम में कुछ भी ठंडा खाने पर मुझे छींके आने लगती हैं। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और यह कैसे ठीक होगा?

—साकेत, बिलासपुर  
इस मौसम में गर्मी के मुकाबले तापमान में बदलाव आता है। कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिसकी वजह से ठंडा या गरम खाने से तुल्य प्रभाव पड़ता है और उसके इफेक्ट सामने आते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आप फ्रिज में रखी या ठंडी चीज ना खाएं। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन सी वाले फल खाएं।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। मेरे तलवों में कभी-कभी सूई की चुभन जैसा तेज देह होता है। ऐसा क्यों होता है, यह किसी गंभीर बीमारी के लक्षण तो नहीं?

—दुर्गा, भोपाल  
बगैर जांच किए आपकी समस्या के बारे में कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। बेहतर होगा कि एक बार आप न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क कर लें। क्योंकि कई बार मसलस या न्यूरो से संबंधित समस्या भी हो जाती है। इसलिए लापरवाही न करें और डॉक्टर से संपर्क कर लें तो हर शंका का समाधान हो जाएगा।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। बरसात के मौसम में भींगने पर मेरे पैर की अंगुलियों के बीच फफोले पड़ जाते हैं। कृपया बताएं कि इस समस्या से कैसे निजात पाया जाए?

—देवेन्द्र, रायगढ़  
आप बारिश के पानी से बचें क्योंकि सड़क में भरे पानी में कई बार नाली का पानी मिल जाता है, जो संक्रमण का कारण बनता है। इसलिए आप बारिश में सड़कों पर पानी में न जाएं। अगर जाना जरूरी भी हो तो पैरों में नारियल का तेल लगाकर ही जाएं, वापस आने पर गर्म पानी से पैरों को धोएं और ठीक से सुखा लें और फिर से नारियल तेल लगा लें। इस तरह राहत मिल सकती है। \*

—प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

### हर्बल जोन / रेखा देशराज

बारिश के मौसम में एलोवेरा हमें फंगल इंफेक्शन और एलर्जी से बचाने के लिए एक इफेक्टिव नेचुरल प्लांट है। यह न केवल शरीर के बाहरी संक्रमण से हमें बचाता है बल्कि हमें भीतरी तौर पर भी मजबूती देता है। बारिश के दिनों में एलोवेरा के इस्तेमाल से हमारा पाचन दुरुस्त रहता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता हममें बरकरार रहती है। त्वचा विभिन्न तरह के मौसमी संक्रमण से बची रहती है और बाल जो इन दिनों बारिश के पानी आदि से खराब हो जाते हैं, उससे भी एलोवेरा हमारा बचाव करता है। इसका कारण यह है कि एलोवेरा में प्राकृतिक एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इन्फ्लेमेट्री गुण पाए जाते हैं।

फंगल संक्रमण से बचाव: चूंकि बारिश के दिनों में वातावरण में नमी बहुत अधिक होती है, जो फंगल यानी फफूंदी के पनपने के लिए सबसे आदर्श स्थिति होती है। इस मौसम में शरीर के पसिने वाले हिस्सों जैसे पैर, बगल, गर्दन,

## फंगल इंफेक्शन-एलर्जी से बचाए एलोवेरा



पीठ पर फंगल इंफेक्शन का खतरा रहता है। इस संक्रमण से खुजली होती है, जलन महसूस होती है, लाल चकत्ते पड़ जाते हैं या बद्बुआद नाने निकल आते हैं। एलर्जी से बचाव: मानसून के दिनों में कई लोगों को त्वचा

की एलर्जी बहुत परेशान करती है। जैसे पसिने से रेशेज, गंदे पानी से खुजली, मच्छरों के काटने से सूजन आदि का होना। ऐसे में एलोवेरा त्वचा की सभी समस्याओं से राहत दिलाता है। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने से त्वचा में आई सूजन भी समाप्त हो जाती है। दरअसल, एलोवेरा में ग्लूकोमैन और जिबरेलिन जैसे तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा में किसी भी तरह से आई सूजन को कम करते हैं। इसके साथ ही एलोवेरा त्वचा को नमी देता है, जिससे इसकी ड्राइनेस और जलन खत्म होती है। इसका एंटी ऑक्सीडेंट गुण बारिश के दिनों में त्वचा को होने वाली विभिन्न नुकसानों की भरपाई करता है।

बरतें सावधानी: एलोवेरा के इस्तेमाल के पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप जिस एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह सही प्रतिशत शुद्ध है, इसमें किसी तरह की कोई सुगंध या रसायन की मिलावट न की गई हो। गर्भवती महिलाओं को विशेष तौर पर इसके इस्तेमाल से सावधान रहना चाहिए और सेवन करने के पहले डॉक्टर की सलाह ले लेना चाहिए। \*

### हेल्थ सजेशन

डॉ. नाजिद अलीन

हममें से अधिकतर लोगों को पूरे सप्ताह काम में व्यस्तता के चलते नींद पूरी नहीं हो पाती है। यही वजह है कि हमें इंतजार होता है वीकेंड का, जब हम अपनी नींद पूरी करें। कई बार तो अपनी नींद पूरी करने के चक्कर में लोग शनिवार को दिन का बड़ा हिस्सा सोने में ही गुजार देते हैं। नतीजा होता है ओवर स्लीपिंग के कारण सप्ताह के और दिनों के मुकाबले ज्यादा थकान महसूस होना। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आपको अपनी नींद के पैटर्न में बदलाव करने की जरूरत है। क्योंकि हमारे देश में नींद न आने और कम सोने, ज्यादा सोने यानी नींद से जुड़ी आम समस्याएं लोगों में देखने को मिलती हैं। ऐसे में जरूरत से ज्यादा सोना, कैसे हार्मोनल हो सकता है, आइए जानें।

ओवर स्लीपिंग के नुकसान: हमारे लिए प्रतिदिन कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेना आवश्यक होता है। यह दिन 7 से 8 घंटे की तय सीमा से ज्यादा सोते हैं तो यह हमारे स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होता। ज्यादा सोने से हमारे शरीर के अंगों और कोशिकाओं में डेली रूटीन का जो चक्र निर्मित होता है, उसमें गड़बड़ी आ जाती है। इस पैटर्न से पूरे सप्ताह तो हम कम नींद लेते हैं और वीकेंड पर जब ज्यादा सोते हैं तो हममें पाचन संबंधी और हृदय संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है

आज के दौर में अच्छी और पूरी नींद कम ही लोगों को आती है। कुछ लोग नींद के बाद भी थकावट महसूस करते हैं तो कुछ अनिद्रा से बेचैन रहते हैं। ऐसे में यहां दी जा रही सलाहें आपके लिए यूजफुल हो सकती हैं।

## क्या आपको भी नींद के बाद महसूस होती है थकावट



कि जरूरत से ज्यादा सोने से हमें कम सोने की तुलना में ज्यादा थकान महसूस होती है, जिसके कारण चिड़चिड़ापन और काम में गड़बड़ी हो जाती है। कुछ लोग वीकेंड पर बिस्तर पर ही ज्यादातर समय इकट्ठा रहते हैं कि उन्हें लगाता है कि पूरे सप्ताह की थकान मिटाने के लिए नींद से बेहतर और कोई विकल्प नहीं है। लेकिन इस तरह जरूरत से ज्यादा सोने के कारण हमें ज्यादा आलसपन आता है, पढ़ने-लिखने और दूसरे बौद्धिक कार्य करने वालों

पड़ सकता है। पूरे सप्ताह कम नींद लेना और सप्ताहांत पर ज्यादा सोना, उनके मेटाबोलिक और कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम में गड़बड़ी पैदा कर सकता है।  
ऐसे लें सही नींद: अगर आप सप्ताह के पांच दिनों 7 से 8 घंटे की पूरी नींद लेते हैं तो सप्ताहांत पर ज्यादा सोने की जरूरत नहीं होती। घर का माहौल शांतिपूर्ण बनाकर रखें। सोने का एक समय निर्धारित करें और प्रतिदिन उस निर्धारित समय पर बिस्तर पर आकर लेट जाएं और सोने का प्रयास करें।

### योगोपचार

रिचय्योति 'नंदन'

बारिश के दिनों में जब मन आलस से भरा या बुझा सा रहता है, तो उस दौरान योग, नेचुरल मूड बूस्टर की भूमिका निभाता है। इसके पीछे गहरे वैज्ञानिक कारण जिम्मेदार होते हैं। दरअसल, बारिश के दिनों में कई बार वातावरण, मन-भिजाज पर भारी पड़ता है। लगातार बादलों का घिरा रहना, सूरज की गैरमौजूदगी, घर से बाहर निकलने में असुविधा और थकी हुई दिनचर्या, लोगों को मानसून ब्लूज या टेपेरी डिप्रेशन के घेरे में पहुंचा देता है। ऐसी स्थितियों में कुछ योगासन, बेहद असरकारी मूड बूस्टर का रोल निभा सकते हैं, जो ना केवल शरीर को सक्रिय रखते हैं बल्कि मन को भी स्फूर्तिदायक बनाते हैं। क्योंकि योगासन, ना केवल शरीर को स्ट्रेच करते हैं बल्कि दिमाग को भी रिफ्रेश करते हैं। ये हमारे शरीर के जरूरी हार्मोनों को सक्रिय करते हैं और इस तरह बारिश के मौसम में मूड को बढ़िया रखते हैं।

### रिलीज होते हैं सेरोटोनिन-एंडोर्फिन

सेरोटोनिन और एंडोर्फिन हार्मोन, फील गुड हार्मोन कहलाते हैं और कई ऐसे योगासन हैं, जिनके करने से ये हार्मोन तेजी से रिलीज होते हैं। जैसे, धुंधले-धुंधले बारिश के दिनों में सूर्य नमस्कार करने से शरीर को गर्मी मिलती है और थकावट दूर भागती है। इसे करने से फील गुड हार्मोन पैदा होते हैं, जो हमारे मूड को खुशनुमा बनाते हैं। ब्रजासन भी मानसून के दिनों के सुस्ती भंगाने का महत्वपूर्ण योगासन है। इसके अलावा अन्य जो आसन बारिश के दिनों में फील गुड हार्मोन का स्राव बढ़ाकर हमारे मन-मस्तिष्क को सक्रिय और ऊर्जावान बनाते हैं, उनमें हैं- बालासन यानी चाइल्ड पोज और शवासन। बालासन करने से मन शांत और प्रसन्न होता है। इसी तरह शवासन भी बहुत फायदेमंद योगासन होता है, क्योंकि यह थकावट और चिड़चिड़ेपन दोनों में लाभकारी होता है। थकावट और चिड़चिड़ापन बारिश के दिनों में अक्सर ही हमें अपनी गिरफ्त में ले लेता है। ऐसे में इन दिनों अगर नियमित रूप से ये आसन किए जाएं तो हमारे शरीर से कोर्टिसोल नामक हार्मोन का स्तर घटता है। कोर्टिसोल, तनाव पैदा करने वाला हार्मोन है, जो उन लोगों में बहुत कम रिलीज होता है, जो बारिश के दिनों में नियमित रूप से सक्रिय रहते हैं और जो सक्रिय नहीं रहते, उन्हें ये दिन बेहद थकान और तनाव से भरे लगते हैं। कोर्टिसोल कम बनने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और तनाव से मुक्ति मिलती है। गौरतलब है कि कोर्टिसोल हार्मोन हमारी अनिद्रा, बेचैनी और डिप्रेशन के लिए भी जिम्मेदार होता है। जब कोर्टिसोल बनता ही नहीं तो या बहुत मामूली बनता है, तो हमें बारिश के दिनों में योग करने से विशेषकर बालासन और शवासन से तनाव से मुक्ति मिलती है।

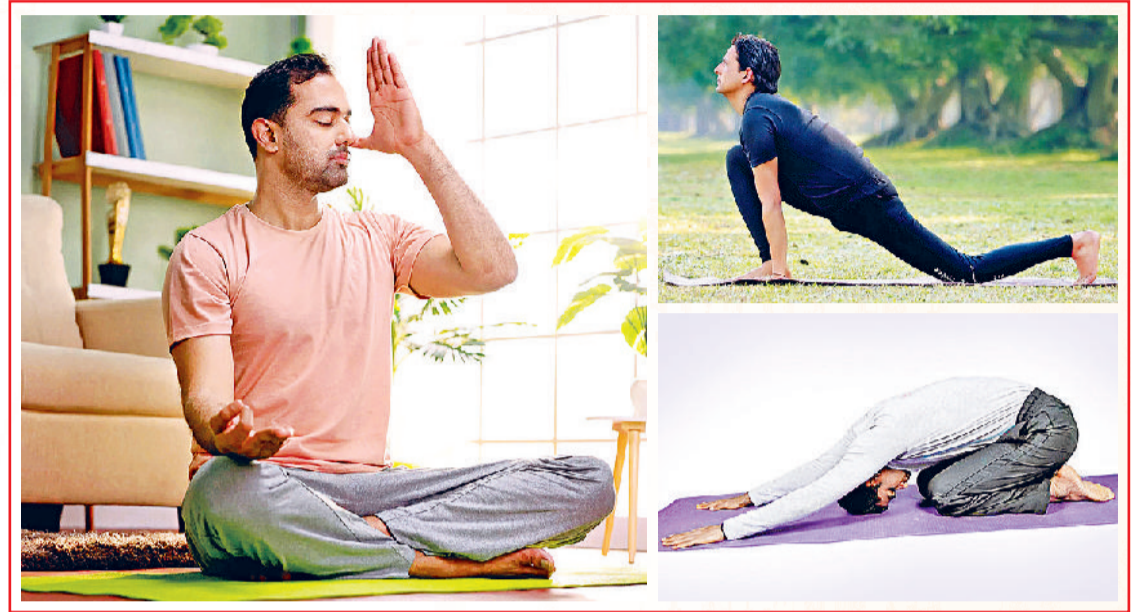
### योग इसलिए जरूरी है

वास्तव में योग कोई दवा या लत नहीं है, यह बिना किसी साइड इफेक्ट के एक ऐसा अभ्यास होता है, जो हमारे शरीर को वही फायदे देता है, जो कई जड़ी-बूटियों और दवाओं से मिलता है। इसलिए बारिश के दिनों में बाकी किसी मौसम के मुकाबले कहीं ज्यादा योगासन करने की जरूरत होती है। इसके लिए घर पर मैट बिछाकर या खुले कमरे में चादर बिछाकर आराम से आधे से एक घंटे तक योगासन करना चाहिए। ऐसा करने से शरीर का बाहरी आवरण तो स्वस्थ और सुंदर बनता ही है, मन का भीतरी आवरण यानी मानसिक भावनाएं भी ऊर्जा से लबरेज हो



अगर आप भी इन दिनों यानी मानसून के दौरान डलनेस फील करते हैं तो परेशान ना हों। अपनी नियमित दिनचर्या में कुछ योगासनों को शामिल कर लें। इनके अभ्यास से आपका मूड हैप्पी रहेगा और आप एनर्जेटिक भी फील करेंगे। योगासन किस तरह से मूड को करता है बूस्ट, बता रहे हैं डिटेल में।

## बारिश के मौसम में करें ये योगासन मूड रहेगा हैप्पी-एनर्जेटिक



जाती है, क्योंकि इन दिनों सूरज कम दिखता है, जिससे हमारे शरीर को जरूरी विटामिन डी और हैप्पी हार्मोन जैसे सेरोटोनिन मिलने कम हो जाते हैं। ऐसे में पूरा शरीर डल, थका-थका सा महसूस करता है। लेकिन योग इन्हीं दिनों अपने नियमित अभ्यास के कारण आपको न केवल थकान और डलनेस से बचाता है बल्कि इसी के कारण बारिश के इन दिनों आप अस्वस्थ होने और कई तरह के संक्रमण से भी बचे रहते हैं।

### इसलिए कहते हैं मूड बूस्टर

योग को नेचुरल मूड बूस्टर इसलिए माना जाता है क्योंकि इसकी कुछ विशेष क्रियाएं शरीर के हार्मोनल बदलाव में बड़ी भूमिका निभाती हैं। इससे मन शांत, स्फूर्तिवान तथा मूड ऊर्जावान बनता है। बारिश के दिनों में योग करने से शरीर से एंडोर्फिन और सेरोटोनिन का जो स्राव होता है, ये दोनों वही हार्मोन हैं, जो हमारे दिवसों के साथ खिलखिलाकर हंसने से पैदा होते हैं या फिर व्यथाम करने से पैदा होते हैं। इन दिनों नियमित तौर पर योगासन करने से



हम अपनी सांसों पर नियंत्रण कर सकते हैं। विशेषकर अनुलोम-विलोम, ध्रमारी और उज्जाई तकनीकों से मस्तिष्क को ताजगी और शांति मिलती है। वास्तव में इनको करने से हमारे भीतर आवश्यकता के अनुसार भरपूर मात्रा में प्राणवायु यानी ऑक्सीजन का प्रवाह होता है। इससे हमारे सभी तंत्र सक्रियता से अपना कार्य करते हैं और हम भीतर से खुद को ऊर्जावान महसूस करते हैं।

### ऊब और अकेलापन भी करता है दूर

बारिश के दिनों में ऊब और अकेलापन भी एक बड़ी समस्या होती है। घर से जाकर मनोरंजन करने या मूड बदलने की हिम्मत नहीं होती और घर में पड़े-पड़े डिप्रेशन की गिरफ्त में हम आ सकते हैं। ऐसे में बारिश के दिनों में घर से बाहर निकलें, प्रकृति के बीच विचरण करें और योग करें तो इस तरह के सारे अकेलेपन के भाव दूर हो जाते हैं।

### ये आसन हैं अधिक कारगर

वेसे तो योगासन का लाभ सभी मौसमों में हमारे शरीर और मन को मिलता है। लेकिन खासकर जिन आसनों को मानसून में करने से फायदा होता है, उनमें शामिल हैं-सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, बालासन। सूर्य नमस्कार करने से शरीर का रक्त संचार बेहतर होता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह महसूस होता है। बालासन करने से मन को शांति मिलती है, जो कई रसायनिक प्रक्रियाओं के साथ मन को स्फूर्तिदायक चेतना प्रदान करता है। सेतुबंध आसन, अनुलोम-विलोम, ब्रजासन तथा ध्रमारी प्राणायाम बारिश के दिनों में मन की सुस्ती और थकान को दूर करके दिल-दिमाग को ऊर्जा से लबरेज करते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी योगासन करने से पहले उसे अच्छी तरह योग्य प्रशिक्षक से जरूर सीख लें। \*

### इन बातों का ध्यान रखें

बारिश के दिनों में योगासन करने से मूड बूस्ट होता है, लेकिन भूल करके भी इन दिनों नमी वाले फर्श पर योगासन नहीं करें। जिनमें पहने जाने वाले टाइट-फिटिंग ड्रेस पहन कर भी कभी योगासन नहीं करें। हल्के, कॉटन ड्रेस पहनकर ही योगासन करें। भोजन के कम से कम ढाई से तीन घंटे बाद ही मानसून के दिनों में आसन करें वर्ना पाचन की समस्या हो सकती है। इन दिनों अपने योगासनों में ध्यान को भी जरूर शामिल कर लें। इससे मन को ऊर्जा और शांति मिलती है।

### डाइट सजेशन

संध्या सिंह

बारिश के मौसम में युवा अक्सर तली-धुनी चीजों की ओर आकर्षित होते हैं जैसे पकोड़े, मसूर, फ्राइड राइस, नूडल्स आदि। लेकिन अगर इस मौसम में वे सुबह और शाम के नाश्तों के लिए हल्दी विकल्प चुनें, तो इसमें उन्हें बढ़िया स्वाद तो मिलेगा ही, उनकी सेहत भी सुरक्षित रहेगी।

ओट्स चीला: ओट्स चीला सुबह के समय का पसंदीदा स्मार्ट ब्रेकफास्ट हो सकता है। क्योंकि ओट्स में फाइबर ज्यादा होता है, इसलिए यह बच्चों को सुबह पढ़ाई करने या आपको दफ्तर में फ्रेश और एनर्जी से भरपूर भी रखेगा। इसे बनाना भी बहुत आसान है। ओट्स को पीसकर उसमें दही, कटी हुई सब्जियां जैसे गाजर, शिमला मिर्च, प्याज आदि मिला लें। स्वाद के अनुसार हरी मिर्च और मसाले भी डालकर चीले बनाएं और चाय या कॉफी के साथ गर्म-गर्म ले सकते हैं।

स्पाउट भेलर: ये प्रोटीन, फाइबर और मिनरल्स से भरपूर और फायदेमंद नाश्ता है। यह इस मायने में



स्मार्ट भी है कि इसे बनाना बहुत आसान है। अंकुरित मूंग या चना, टमाटर, प्याज, नींबू और धुनी मूंगफली को साथ में मिक्स करें। इसमें चाट मसाला मिलाएं और मजे लेकर खाएं। स्वाद तो मिलेगा ही हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद भी होगा।

स्टीम्ड वेज पनीर मोमोज: ये शाम के नाश्ते का बढ़िया विकल्प है। तले हुए चाट पकोड़े की जगह अगर स्टीम्ड मोमोज लिए जाएं तो यह

रेजी सीजन में सुबह-शाम के नाश्ते में यंगस्टर्स का मन कुछ चटपटा खाने का करता है। लेकिन हेल्थ का ध्यान रखते हुए आपको ऐसे ऑप्शंस चुनने चाहिए, जो टेस्टी होने के साथ हेल्दी भी हों।

## इस सीजन में यंगस्टर्स के लिए हेल्दी ब्रेकफास्ट के ऑप्शंस



हल्के भी होंगे और शानदार भी। बेसन टोस्ट: बेसन टोस्ट या बेसन पेन केक भी हेल्दी नाश्ता है, जो सुबह के लिए भी शानदार है और शाम के लिए भी। इसमें बेसन प्रोटीन और आयरन से भरपूर होता है। साथ ही प्याज, टमाटर, हल्दी और अजवाइन की मौजूदगी, इसे स्वाद से भी भरपूर बनाती है। नॉनस्टिक तवे में कम तेल पर इसे सेंककर खाएं मजा आ जाएगा।

फ्रूट-नट योगर्ट बाउल: आजकल युवा इस नाश्ते को बहुत ज्यादा पसंद कर रहे हैं, क्योंकि यह इंस्टाग्राम फ्रेंडली दिखता है और हेल्दी तो होता ही है। इसे बनाने के लिए ग्रीक योगर्ट में कटे हुए फल जैसे सेब, केला, कीवी डालते हैं। कुछ ड्राई फ्रूट्स और थोड़ा शहद मिलाएं। शानदार स्वाद और हेल्दी नाश्ता रेडी हो जाएगा।

स्टीम्ड इडली-पुदीना चटनी: कम ऑयल और ज्यादा टेस्ट पाना है, तो साउथ इंडियन डिश खाएं, जो पेट भारी नहीं करता। चाहे तो रागी इडली या ओट्स इडली भी खा सकते हैं। मक्का चाट: मक्का चाट या भुट्टा चाट भी बारिश की शामों का एक बेहद परफेक्ट नाश्ता है। उबले हुए



वेज का या फिर मूंग की दाल का न सिर्फ बहुत स्वादिष्ट लगता है बल्कि इस मौसम में इम्यूनिटी बूस्ट करने का भी यह शानदार नाश्ता है। इसमें मल्टीग्रेन या ओट्स ब्रेड का भी शानदार विकल्प मिलता है। \*



**खबर संक्षेप**



**महिला कॉलेज में किया ध्वजा रोहण**

रोहतक। घर धर तिरंगा मुहम के अंतर्गत राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में राष्ट्रीय सेवा योजना और यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में ध्वजा रोहण किया गया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्या इंदु सपरा ने प्रत्येक छात्रा को गर्व से इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी मोनिका कौशिक, जोगेंद्र, डॉ. अलका उपस्थित रहे।

**दियांग बच्चों के लिए खाद्य सामग्री मेट की**



रोहतक। भूमिका दियांग जन सेवा संस्थान में बुधवार को शुभम बंसल द्वारा खाद्य सामग्री-फूटी जूस, लेज, पेस्ट्री, कले आदि सभी दियांग बच्चों को वितरित की गई। शुभम बंसल का यह कदम समाज को यह सशक्त संदेश देता है कि दियांग बच्चे हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं।

**सुडाना मंडल में निकली तिरंगा यात्रा**



कलानौर। कलानौर विधानसभा क्षेत्र के गांव माडोधी रागडान के डॉ भीमवार अम्बेडकर पुस्तकालय से आरंभ हुई तिरंगा यात्रा गांव बल्लम, तैमूर पूर, काहनौर चौक होते हुए गांव मसूदपुर में सम्पन्न हुई। यात्रा के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणबीर ठाकरा रहे जबकि यात्रा संयोजक डॉ. अशोक कुमार था। यात्रा की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष भूप सिंह गरनावटी ने की। यात्रा गांव बल्लम में पहुंचने पर सरपंच सुनीता आर्य व सरपंच प्रतिनिधि सोमबीर ने ग्रामीणों के साथ यात्रा का स्वागत किया।

**एमडीयू दीक्षारंभ उत्सव में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आह्वान**

**लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें, संस्कार और सामाजिक सरोकार से जुड़ें**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षारंभ उत्सव के समापन दिवस में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय करने और उसकी प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। उन्होंने महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चलते हुए सत्य और विद्या के पथ पर अग्रसर होना प्रेरणा नव प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों को दी। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर, डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एससी मलिक, कुलसचिव डॉ. कृष्णाकान्त, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. सपना गार्ग समेत एमडीयू के डीन, विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं शहर के प्रबुद्धजन इस अवसर पर उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में संस्कार, संस्कृति और सामाजिक सरोकार का जुड़ाव आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियानों की सराहना करते हुए युवाओं से सामाजिक जिम्मेदारियों से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने एमडीयू के सामाजिक उत्थान से जुड़े अभियानों की भी जमकर सराहना की और इन्हें प्रेरणादायी बताया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें राष्ट्रीयता, व्यावहारिक ज्ञान और सामाजिक



रोहतक। कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।



रोहतक। नशा मुक्त घरों के मुखिया को नेम प्लेट देकर सम्मानित करते मनोहर लाल।

**इंसेटिव स्कीम फॉर स्टूडेंट्स का शुभारंभ किया**

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एमडीयू की विद्यार्थियों के सशक्तिकरण तथा कौशल विकास के उद्देश्य से अमूर्त पहल- प दीन दयाल उपाध्याय स्कूल-बेड इंसेटिव स्कीम फॉर स्टूडेंट्स का शुभारंभ किया। उन्होंने इस स्कीम को विकसित भारत अभियान के लिए महत्वपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में अर्ब वहाइल यू लर्न स्कीम की तरह है, परंतु इसके जरिए विद्यार्थियों का समग्र कौशल तथा वित्तीय सशक्तिकरण का रास्ता प्रशस्त हो रहा है।

**कम्युनिटी सर्विस एंड आउटरीच ऐप लांच**

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एमडीयू द्वारा विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से सक्रिय रूप से जोड़ने वाले कम्युनिटी सर्विस एंड आउटरीच ऐप लांच किया। उल्लेखनीय है कि इस कम्युनिटी रिच ऐप के जरिए विद्यार्थीगण कम्युनिटी सर्विस हेतु पंजीकरण कराते हुए सामाजिक सरोकार के कार्य कर पाएंगे। इसके तहत राष्ट्रीय सेवा योजना, यूथ रेड क्रॉस, यूनिवर्सिटी आउटरीच आदि संकल्पों के साथ विद्यार्थीगण सक्रिय रूप से जुड़ पाएंगे।

जिम्मेदारी को विशेष महत्व दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह द्वारा नशा मुक्त समाज के लिए ताउम्र कार्य करने के संकल्प को सराहा और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एमडीयू कुलपति आगे का जीवन समाज के लिए कार्य करने का संकल्प, विशेष तौर पर प्रदेश में घर-घर नशा मुक्त करने का संकल्प लें और इस दिशा में सेवा भाव से कार्य करें। उन्होंने एमडीयू के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस सुनील जागलान को समाज सेवा कार्य के लिए तथा

**नशा मुक्त घरों के मुखिया को सम्मानित किया**

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कार्यक्रम में नशा मुक्त घर अभियान के तहत एमडीयू के गोद लिए गांवों में नशा मुक्त घरों के मुखिया को नशा मुक्त घर की नेम प्लेट देकर सम्मानित किया। नशा मुक्त घरों के मुखिया-माली आनंदपुर के जय भगवान, टिटीली के नरेश कुमार व कमला देवी, लाहली के सुरेश व जितेंद्र, बनिनी के सोहन तथा विजय कुमार तथा माडोधी के सोमबीर व अनिल को नशा मुक्त घर की नेम प्लेट देकर सम्मान दिया गया।

**90 साल के बुजुर्ग दीपचंद हुए भावुक**

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए नशा मुक्त घर सम्मान के तहत आज गांव जटैर के 90 वर्षीय बुजुर्ग दीपचंद को सम्मानित किए जाने पर वे बेहद भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनका बड़ा परिवार है, जिसमें 25 सदस्य हैं। पूरा परिवार नशा मुक्त है। दीपचंद ने कहा कि जीवन में पहली बार ऐसा सम्मान उनको मिला। बेहद भावुक होकर दीपचंद ने इस नशा मुक्त घर सम्मान अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं।

एमडीयू एलुमनी नीरज सहगल की विश्वविद्यालय के लिए निशुल्क ऐप बनाने की पहल की सराहना की। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने नशा मुक्त घर अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि एमडीयू समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने एमडीयू विश्वविद्यालय द्वारा समाज के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए की जा रही नूतन पहलों बारे जानकारी दी।

**मनोहर लाल ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ**

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का परिसर बुधवार को देशभक्ति के रंगों में रंगा नजर आया, जहां मध्य तिरंगा यात्रा ने जनसेला उमड़ा दिया। यह आयोजन न केवल आजादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा था, बल्कि युवाओं में राष्ट्रप्रेम, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की भावना जगाने का एक मजबूत माध्यम बना। हजारों विद्यार्थी, शिक्षक, शहरवासी और गणमान्य व्यक्ति हार्थों में तिरंगा थामे सड़कों पर उतरे, और पूरा वातावरण 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा। इस मौके पर मनोहर लाल ने सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से तिरंगा लहराकर यात्रा का शुभारंभ किया। इस मौके पर एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर, कुलसचिव डॉ. कृष्णाकान्त, प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. आदित्य बलर, उद्योगपति राजेश जैन समेत कई विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।



**गांव में आकर यादें होती ताजा : मनोहर लाल**

रोहतक। केंद्रीय उर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल आज अपने पेटूक गांव बनिनीयानी पहुंचे। गांव में केंद्रीय मंत्री ने अपने पुराने साथियों व ग्रामीणों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और विकास कार्यों व सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में फीडबैक भी लिया। केंद्रीय मंत्रीमनोहर लाल ने अपने पेटूक घर का भी दौरा किया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने अपना पेटूक घर गांव-समाज के नाम कर दिया था। लगभग 200 गज के इस मकान में लाइब्रेरी बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे जब-जब गांव में आते हैं तो उनकी बचपन की यादें भी ताजा हो जाती हैं।



**मॉडल संस्कृति सांपला में नशा मुक्ति अभियान की दिलाई शपथ**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

मॉडल संस्कृति सांपला में नशा मुक्ति अभियान की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्रभारी पुरुषोत्तम प्राध्यापक ने बताया कि विद्यालय में भगत सिंह सदन की प्रभारी एवं अंग्रेजी विषय की प्राध्यापिका भारती के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान के बारे में विद्यार्थियों से जानकारी सांझा की गई। इन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए बताया कि नशा से व्यक्ति के शरीर के साथ उसकी बुद्धि का भी विनाश होता है। व्यक्ति को सोचने समझने की शक्ति



समाप्त हो जाती। मानसिक रूप से व्यक्ति विकृत हो जाता है। बहुत सारे बच्चों में नशा की लत लगने से वे उसके लिए समाज विरोधी एवं गैर कानूनी गतिविधियों में पड़ जाते हैं। जिससे व्यक्ति समाज एवं राष्ट्र सभी का नुकसान होता है। इसलिए विद्यार्थियों को नशा जैसी भयंकर बुराई से बचकर रहना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के इंचार्ज प्राध्यापक संत कुंवर, निदेशा कुमार, रेखा, जगजीत सिंह मौजूद रहे।

**निगम आयुक्त ने वार्ड-10 व 15 में निरीक्षण कर सुनी समस्याएं टीम ने गांधी कैम्प बाजार से तुरंत हटवाया अतिक्रमण**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

शहर के वार्ड-10 और वार्ड-15 में बुधवार को निगम आयुक्त डॉ. आनंद शर्मा ने निरीक्षण अभियान चलाकर स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए गए। वार्ड-10 की सदस्य मनीषा के प्रतिनिधि सुमित व रमेश बोहर तथा वार्ड-15 की सदस्य अनिता के साथ अधिकारियों की टीम ने दोनों वार्डों के विभिन्न इलाकों का दौरा किया। निरीक्षण की शुरुआत वार्ड 10 के गांव बोहर से हुई, जहां नालों की सफाई, पार्क में शौचालय



रोहतक। गांव बोहर में निरीक्षण करते हुए आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा।

निर्माण, तालाबों के सौंदर्यीकरण, फिरनी के नालों की सफाई, गांव बस स्टैंड के नालों की सफाई, और पीने के पानी के बूस्टर में नाले का पानी जाने संबंधी शिकायतें मिलीं। इसके अलावा बाबा मस्तनाथ अधिकारियों को तुरंत नालों की सफाई शुरू करने, तालाबों के सौंदर्यीकरण की योजना तैयार करने, पार्क में शौचालय बनाने, ग्रीन बेल्ट विकसित करने और रास्ते कारिर्कोर्ड जांचकर निर्माण कराने के आदेश दिए गए। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पीने के पानी और सीवर ओवरफ्लो की समस्या का समाधान करने के निर्देश मिले। गांधी कैम्प मार्केट में अतिक्रमण की जांच के दौरान पाया गया कि कई दुकानदारों ने सड़क पर कब्जा कर रखा था। मौके पर ही एनफोर्समेंट टीम को आदेश देकर कब्जे हटवाए गए।

कॉलोनी के सामने ग्रीन बेल्ट विकसित करने और गांव गढ़ी बोहर की गरीब बस्ती के लिए रास्ता बनवाने की मांग भी रखी गई। सीवर और पानी की सुविधा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं।

**जैन सभा के चुनाव को लेकर हुई मीटिंग सदस्यों ने एक ग्रुप का समर्थन किया**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

जैन सभा के चुनाव को लेकर एक मीटिंग सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में दिल्ली रोड स्थित बीपी जैन डेवलपमेंट सेंटर में आयोजित की गई। जिसमें 17 अगस्त को होने वाले चुनाव के लिए चुनाव चिन्ह पतंग पर विचार किया गया। प्रधान पद के लिए रवि जैन पांडव वाले को उप प्रधान पद के लिए, अतुल जैन लोहिया महासचिव पद के लिए, मनीष जैन छोटे सहसचिव पद के लिए, अमित जैन लोहिया एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए मुकेश जैन



को समर्थन किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस ग्रुप का समर्थन किया, मंच का संचालन राजेश जैन डीएनएफ ने किया। शैलेश जैन ने बताया कि जैन सभा रजिस्टर्ड का जैन बॉय स्कूल 1905 से बना हुआ है जो समाज का हरियाणा में पहला स्कूल है। जिसको लगभग आज

**पीजीआई में धूम्रपान मुक्त परिसर बनाने की पहल**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय नशा मुक्त भारत अभियान में अपनी भागीदारी बढ़ चढकर निभाएगा। इसी कड़ी में पीजीआईएमएस में धूम्रपान मुक्त परिसर की पहल के तहत बुधवार को निदेशक डॉ.एसके सिंघल ने संबंधित अधिकारियों व छात्र प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। डॉ. एसके सिंघल ने बताया कि इस पहल के तहत, जो विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में

धूम्रपान पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना है। उन्होंने कहा कि इसमें सुरक्षा कर्मियों को प्रवेश बिंदुओं पर धूम्रपान की जांच करने के निर्देश दिए हैं। यदि कोई धूम्रपान करते हुए पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान में धूम्रपान मुक्त परिसर बनाने के लिए स्वयंसेवी समूहों को शामिल करने पर विचार किया जा रहा है जोकि ये समूह धूम्रपान के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करेंगे और धूम्रपान करने वालों को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

**जिला स्तरीय योगासन चैम्पियनशिप में एचडी पब्लिक स्कूल का दबदबा**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

हरकिशन मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित जिला योगासन चैम्पियनशिप में एचडी पब्लिक स्कूल बहुअकबरपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए। यह जानकारी विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फौगाट ने दी। उन्होंने बताया कि सोनाक्षी, हंशिका ने स्वर्ण पदक, समाइरा, अलीना ने स्वर्ण एवं कांस्य पदक, श्रुति स्वर्ण एवं रजत पदक, परीशा ने कांस्य पदक व



खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फौगाट ने विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि बच्चों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

**पीजीआईएमएस में नर्सिंग एसो. के नए चुनाव की मांग तेज**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में नर्सिंग एसोसिएशन के नए चुनाव कराने की मांग तेज हो गई है। नर्सिंग ऑफिसर एवं पूर्व अध्यक्ष, नर्सिंग एसोसिएशन अशोक यादव ने संस्थान के कुलपति को पत्र लिखकर कहा है कि वर्तमान नर्सिंग एसोसिएशन का कार्यकाल जुलाई 2024 में समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद अभी तक नए चुनाव नहीं करवाए गए हैं, जिससे नर्सिंग कैडर की समस्याएं अनसुनी रह रही हैं। अशोक यादव ने पत्र में उल्लेख किया कि एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य नर्सिंग कैडर की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समाधान करवाना है, लेकिन वर्तमान एसोसिएशन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। नर्सिंग कैडर से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से नहीं उठाया जा रहा,

एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष, अशोक यादव ने कुलपति को पत्र लिखकर कहा है कि वर्तमान नर्सिंग एसोसिएशन का कार्यकाल जुलाई 2024 में समाप्त हो चुका है

जिसके कारण कर्मचारियों में नाराजगी है। उन्होंने मांग की कि मौजूदा नर्सिंग एसोसिएशन को तुरंत प्रभाव से भंग किया जाए और प्राथमिकता के आधार पर नए चुनाव आयोजित करवाए जाएं, ताकि एक सक्रिय और जिम्मेदार टीम का गठन हो सके, जो नर्सिंग कैडर की समस्याओं को सही मंच पर रख सके और उनके समाधान के लिए कार्य कर सके। पत्र की प्रति पीजीआईएमएस के निदेशक और संयुक्त निदेशक को भी भेजी गई है। इस मांग से नर्सिंग स्टाफ में उम्मीद जगी है कि जल्द ही नए प्रतिनिधि चुनकर उनकी आवाज को मजबूती मिलेगी और लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान होगा।

**हेल्थ यूनिवर्सिटी में डॉ. एचके अग्रवाल को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा कुलपति डॉ. अग्रवाल का स्वागत करने उमड़े कर्मचारी**

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष द्वारा मंगलवार को डॉ. एचके अग्रवाल को स्थायी तौर पर पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का कुलपति बनाए जाने पर बुधवार को संस्थान में काफी खुशी का माहौल दिखा। कुलपति डॉ.एचके अग्रवाल ने स्थायी कुलपति के पदभार को संभाल लिया। नॉन टीचिंग एसोसिएशन के कर्मचारी यूनिनन कार्यालय से कुलपति कार्यालय तक ढोल नगाड़े की ताल पर नाचते हुए डॉ. अग्रवाल को बधाई देने पहुंचे। निदेशक डॉ. एसके सिंघल और डीन एकेडमिक एफेयर्स डॉ. ध्रुव चौधरी ने डॉ. अग्रवाल की नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए काम करेंगे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने डॉ. अग्रवाल को बधाई देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य संस्थान की उन्नति और मरीजों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे मरीजों के हित के लिए कार्य



रोहतक। कुलपति का स्वागत करते नॉन टीचिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी।



बुके भेट करते नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी।



स्वागत करते एससी एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी।

करेंगे और नवीनतम तकनीक से मरीजों को इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहेंगे। डॉ. उमेश यादव ने बताया कि आज डॉक्टर एसोसिएशन एचएसएमटीए ने डॉ. अग्रवाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एचके अग्रवाल एक अनुभवी और योग्य व्यक्ति हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। डॉ. अग्रवाल एक मेधावी चिकित्सक और उत्कृष्ट प्रशासक हैं।

**नॉन टीचिंग एसोसिएशन**

नॉन टीचिंग एसोसिएशन के प्रधान वर्जर सिंह ने बताया कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि डॉ. अग्रवाल का कुलपति के तौर पर कार्यकाल संस्थान के लिए एक स्वर्णिम अध्याय। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कर्मचारियों ने उनके मनोरंजन पर प्रसन्नता जाहिर की व बुके भेट कर शुभकामनाएं दी। वरिष्ठ उपप्रधान संजय सिंहमार ने बताया कि गैर शिक्षक कर्मचारी संघ पदाधिकारियों ने उनके सफलतापूर्ण कार्यकाल की कामना की।

**नर्सिंग एसोसिएशन**

नर्सिंग एसोसिएशन के प्रधान विकास फौगाट ने कहा कि वे कुलाधिपति और हरियाणा सरकार का तह दिल से धन्यवाद व्यक्त करते हैं जिन्होंने संस्थान की उन्नति के लिए बहुत अच्छे निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल के द्वार से आज तक कोई भी खाली नहीं गया है क्योंकि उन्होंने हमेशा सभी के हित में कार्य किया है। फौगाट ने कहा कि डॉ. अग्रवाल की नियुक्ति पीजीआई की उन्नति की तरफ पहला कदम है।

**एससी एसटी एसोसिएशन**

एससी एसटी एसोसिएशन के प्रधान अशोक कांगड़ा ने कहा कि कर्मचारी कुलपति कार्यालय में भी जमकर थिरके क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि डॉ. अग्रवाल सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाइयों के शिखर पर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल सभी के चहेते हैं और हमेशा संस्थान की अलाई के लिए कार्य किया है, इसलिए आज उनका स्वागत किया गया।